दिनांक
17/02/24

## सरकारी घाटे :

### (i) राजस्व घाटा -(Revenue Deficit)

राजस्व खर्च - राजस्व प्राप्तियाँ

₹200 - ₹100 = ₹100

₹200 - ₹300 - ₹100

### (ii) प्रभावी राजस्व घाटा (Effective Revenue Deficit)

राजस्व घाटा - केन्द्र द्वारा राज्यों को पूंजीगत अनुदान (Capital grants)

⇓ ⇓

सम्पत्ति निर्माण की शर्त पर दिए जाने वाले अनुदान।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

### (iii) राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit)

⇓

कुल खर्च (राजस्व + पूंजीगत)

(−)

राजस्व प्राप्तियाँ + NDCR
↓
Non Debit capital Receipts

Disinvestment विनिवेश
and
Recovery of Loans ऋणों की वसूली

Example :-

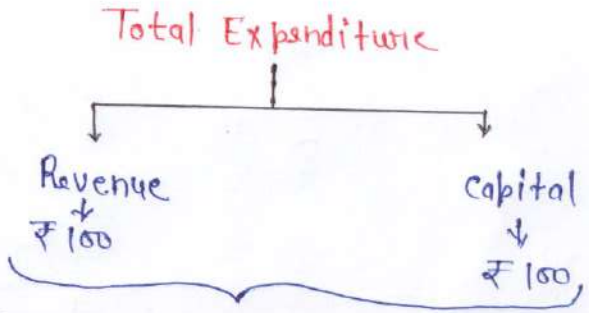


1. F.D → ₹200

2. B D → ₹200

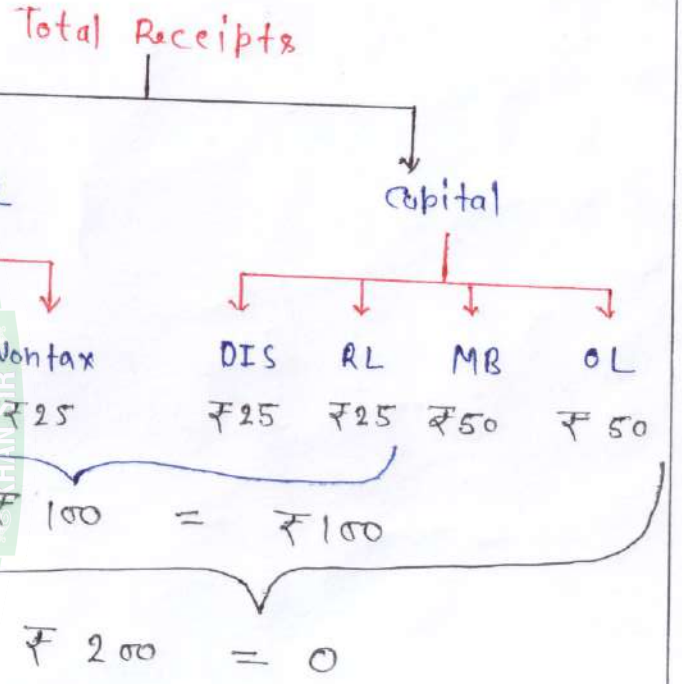


KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

यह ध्यान देने योग्य है कि राजकोषीय घाटा सरकार की उधार आवश्यकताओं को प्रदर्शित करता है हालाँकि OL के कारण वास्तविक रूप मे कम उधार ले सकती है।

भारत मे सुखमोय चक्रवर्ती की सिफारिशों पर राजकोषीय घाटे की अवधारणा को लागू किया गया है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

इसके लागू होने से सरकार की बजटीय प्रक्रिया मे पारदर्शिता उत्पन्न हुई है।
राजकोषीय घाटे से सरकार की राजकोषीय स्थिति का वास्तविक रूप मे पता लग पाता है

राजकोषीय घाटे से पहले बजट घाटे की अवधारणा का प्रयोग होता था इसमे सरकार की वास्तविक राजकोषीय स्थिति का पता नही लग पाता था।

(iv) बजट घाटा (Budget Deficit)

⇓

कुल खर्चे - कुल प्राप्तियाँ

↓

MB और OL को सम्मिलित करते हुए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

बजट घाटे को मौद्रिकृत घाटा (Monetised Deficit) भी कहते है इसका कारण यह है कि यदि इस घाटे की मूल्य सकारात्मक होती है तो उसके बराबर अर्थ व्यवस्था मे मुद्रा की मात्रा बढ़ जाती है इसका कारण यह होता है कि इस घाटे को पूरा करने के लिए सरकार को या तो केन्द्रीय बैंक से उधार लेना पड़ता है या केन्द्रीय बैंक के पास पड़े नगद शेष (Cash Balance) को निकलना पड़ता है। दोनो ही मामलो मे मुद्रा की मात्रा का स्तर अर्थव्यवस्था।

मे बढ़ जायेगा।

* Minimum Reserve System

₹ 200 करोड़ का कोष न्यूनतम रखना होता है।

कुछ लोगो के अनुसार आर्थिक विकास के लिए भारत जैसे राष्ट्र बजट घाटे का प्रयोग कर सकते हैं। इस प्रकार की राजकोषीय नीति काफी खतरनाक हो सकती है क्योंकि इसके कारण संबंधित राष्ट्र Too much money chasing too few goods की स्थिति मे जा सकता है इस स्थिति मे मुद्रास्फीति तेज गति से बढ़ने लगती है।

Note:-

वर्तमान मे भारत मे बजट घाटे को शून्य पर रखने की नीति का अनुकरण किया जा रहा है।

∵ इस प्रकार, भारत मे घाटे का (Monetisation) मौद्रिकरण नही होता है

(v) प्राथमिक घाटा (Primary Deficit):-

⇓

राजकोषीय घाटा - ब्याज-भुगतान

Kes IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

FRBM Act ⇒ Fiscal Responsibility and Budget - Management.

(i) पारित - 2003
(ii) लागू - जुलाई 2004
(iii) आधारित - Graham Rudman Hollings Act USA जो Balanced Budget पर जोर देता है।
(iv) मुख्य लक्ष्य - (i) 2008-09 के अन्त तक राजस्व घाटे को शून्य करना।
(ii) 2008-9 के अन्त तक F.D को जी.डी.पी.(GDP) के 3% स्तर तक लाना
(v) उपलब्धि - लक्ष्य प्राप्त नहीं की जा सकी क्योंकि भारत सरकार द्वारा 2007-9 की अमेरिकन मंदी से भारतीय अर्थव्यवस्था को सुरक्षित करने के लिए एक बड़ा Fiscal Stimulus लागू किया गया था।
(vi) आलोचना :- (UPSC Mains) शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि से जुड़े सामाजिक व्यय कम हो जायेगें यह सोच कर आलोचना हुई।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR